सेवा में,
श्री योगी आदित्यनाथ,
मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

विषय - औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल नंदी तथा उनके अफसरों पर ट्रान्सफर पोस्टिंग के संबंध में लगे गंभीर आरोपों की जाँच की मांग

महोदय,

मैं आजाद अधिकार सेना का राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर इस पत्र के माध्यम से विधान सभा के तृतीय सत्र 2024 के दौरान औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल नंदी द्वारा विधायक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह के पूछे गए एक तारांकित प्रश्न में प्रदत्त उत्तर के तथ्यों की जाँच कराते हुए पर मंत्री तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करने की मांग करता हूं.

उक्त प्रदत्त उत्तर के अनुसार स्थानांतरण सत्र 2023-24 में वरिष्ठ पदों पर कुल 12 अफसर ट्रान्सफर किये गए, जिसमे गंभीर आरोपों में सतर्कता जांच, ऑनलाइन भू आवंटन में उल्लंघन तथा सेवा से बर्खास्तगी किये जाने वाले अफसरों को महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनाती के तथ्य सम्मिलित थे. इसमें श्री सी के मौर्य को क्षेत्रीय प्रबंधक आगरा, श्री विनोद कुमार को क्षेत्रीय प्रबंधक कानपुर, श्री अजय दीप सिंह क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ और उन्नाव, श्री प्रदीप कुमार सत्यार्थी को क्षेत्रीय प्रबंधक गाजियाबाद तथा श्रीमती शर्मिला पटेल को परियोजना अधिकारी गाजियाबाद के अत्यंत महत्वपूर्ण पदों की नियुक्तियां विशेष महत्व की हैं.

मंत्री श्री नंदी ने इन ट्रान्सफर को जनहित में किया गया बताया है किन्तु स्पष्ट है कि सतर्कता, ऑनलाइन भू आवंटन में घपला, सेवा से बर्खास्तगी जैसे गंभीर आरोपों के आरोपित अफसरों को इस प्रकार कानपुर, लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर क्षेत्रीय प्रबंधक/परियोजना अधिकारी के अत्यंत महत्वपूर्ण तथा उत्तरदायी पदों पर नियुक्त किया जाना शासन की कथित जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियाँ तो उडाता ही है, यह भ्रष्टाचार के आरोपित अफसरों की नियुक्ति के संबंध में पारित विभिन्न शासनादेशों का भी खुला उल्लंघन है.

इसी प्रश्न के एक अन्य भाग में प्रदत्त उत्तर के अनुसार कनिष्ठ अफसरों को वरिष्ठ पदों पर नियुक्त नहीं करने से संबंधित शासनादेश से इतर निम्न क्षेत्रीय प्रबंधकों की नियुक्ति हुई है-

1. श्री अजय कुमार यादव- क्षेत्रीय प्रबंधक अयोध्या और गोरखपुर
2. श्री मंसूर कटिहार- क्षेत्रीय प्रबंधन बरेली और कानपुर
3. श्रीमती शर्मिला पटेल- परियोजना अधिकारी टीडीएस सिटी गाजियाबाद
4. श्री आशीष नाथ- क्षेत्रीय प्रबंधक वाराणसी

इस प्रकार 06 क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालयों में 04 क्षेत्रीय प्रबंधक स्वीकृत वेतनमान से कम पर नियुक्त किए गए हैं, जिसमे दो अफसरों को दो-दो पद पर नियुक्त किया गया है, जो मामले को और गंभीर बनाता है.

स्पष्ट है कि किसी अफसर को उसके वर्तमान पद से ऊपर की नियुक्ति दिया जाना प्राथमिक स्तर पर ही घोर अनियमितता तथा भ्रष्टाचार है और प्रशासनिक व्यवस्था की स्थापित नीति/नियम का स्पष्ट उल्लंघन है.

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

इसके विपरीत औद्यिगक विकास विभाग में 04 अफसरों को कुल 06 ऐसे पदों पर नियुक्त किया जाना नियुक्ति में भ्रष्टाचार को स्वतः ही स्थापित करता दिख रहा है. इसमें भी एक अफसर को पूर्व से गंभीर आरोप के कारण उन्हें सेवा से बर्खास्त भी किया गया था.

उपरोक्त सभी तथ्य विभाग में गंभीर भ्रष्टाचार तथा उसमे उच्चस्तरीय संलिप्तता को इंगित करते दिखते हैं क्योंकि इन अफसरों के ट्रान्सफर बिना विभागीय मंत्री के अनुमोदन के नहीं हुआ करते हैं.

इन तथ्यों के दृष्टिगत इन सभी नियुक्ति/स्थानांतरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जाँच कराते हुए मंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारीयों का उत्तरदायित्व नित्धारित कराये जाने की कृपा करें.

अमिताभ ठाकुर
राष्ट्रीय अध्यक्ष
आजाद अधिकार सेना
9415534526

दिनांक 22/12/2024

प्रतिलिपि मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को कृपया आवश्यक कार्यवाही हेतु

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner